2025 II 15 0930 Seat No. | | | | | |

Time : 3 Hours **HINDI LANGUAGE–II**

Subject Code

H	4	4	2	4

Total No. of Questions : 42 (Printed Pages : 8) **Maximum Marks : 80**

सूचनाएँ : (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) प्रश्न क्रमांक स्पष्ट रूप से लिखिए।

(*iii*) प्रश्न पत्रिका तीन खण्डों में विभाजित है- क, ख, ग।

(*iv*) दायीं ओर दर्शायी हुई संख्या प्रश्न के अंक दर्शाती है। जिसमें कुल 42 प्रश्न हैं।

खण्ड-क (कुल अंक 15)

निम्नलिखित अपठित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

दक्षिण गोवा में विहंगम दूधसागर जल प्रपात है। कर्नाटक के कॅसलरॉक गाँव के घने जंगल से होती हुई काटला और पालना नामक नदियाँ जब चट्टानों की शृंखला से नीचे गिरती हैं तो पानी दूध जैसा लगता है। इसी दूधियाँ जल प्रपात को 'दूधसागर' कहते हैं। 300 मीटर से ज्यादा ऊँचाई से गिरने वाले 'दूधसागर' की नयनरम्य झाँकी पर्यटकों के लिए एक विशेष आकर्षण है।

बरसात के दिनों में रेलयात्रा करते समय दूधसागर प्रपात का दर्शन काफी लुभावना होता है। दूर से दृष्टिगोचर होने वाले दूधियाँ प्रपात का सौंदर्य निकट आने पर पर्यटकों को ठंडी-ठंडी फुहारों से प्रसन्नचित्त करता है। लेकिन इस प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेते समय कुछ पर्यटक सुरक्षा के नियमों का पालन नहीं करते। मध्यपान करके प्रपात में जलक्रीड़ा करते समय कई लोग अपना शारीरिक संतुलन खो बैठते हैं और अपनी जान गवाँ बैठते हैं।

सन् 2006 ई. से 2012 ई. तक दूधसागर प्रपात में जलक्रीड़ा करते समय 30 लोगों को जलसमाधि प्राप्त हुई है। यह प्रपात आगे चलकर नदी का रूप लेता है, तो इसकी गहराई बढ़ जाती है। वहाँ नहाते समय जरा-सी लापरवाही बड़ी दुर्घटना का कारण बन जाता है। मौज-मस्ती में बेलगाम होकर, नियमों को भूलकर लोग मौत के चंगुल में फँस जाते हैं।

(1) दूधियाँ जल प्रपात को 'दूधसागर' नाम कैसे मिला ? 1

(2) दूधसागर किसलिए प्रसिद्ध है ? 1

(3) 'जंगल' शब्द का विशेषण रूप लिखिए। 1

(4) "मौत के चंगुल में फँसना" मुहावरे का अर्थ लिखिए। 1

(5) 'जल' शब्द का समानार्थी शब्द लिखिए। 1

(6) कई लोग अपना शारीरिक संतुलन खो बैठते हैं।

(प्रस्तुत वाक्य सामान्य भविष्यकाल में लिखिए।) 1

(7) बरसात के समय दूधसागर की क्या विशेषता रहती है ? 2

(8) प्रपात में जलक्रीड़ा करने पर कौनसी दुर्घटनाओं का उल्लेख किया है ? 2

निम्नलिखित अपठित काव्यांश के आधार पर अंत में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लगभग 15 से 20 शब्दों में लिखिए :

गरज-गरजकर कहती लहरें
आओ बच्चो मिलकर खेलें,
हम सागर की नन्हीं प्यारी
चले अनुठा खेल हम खेलें
उछल-उछकर नहीं ये थकतीं
दूर देश को छूकर आतीं,
संग हवा के गाती रहतीं
बच्चों को पर भूल न पातीं।
ऐसा ही है स्वभाव इनका

लहर-लहर इठलाने का,

जैसे प्यारे बच्चे करते

मौज, मस्ती और धमाका

सागर लहरों से कहता है-

"शिशु हैं मानवता की लहरें"

गरज-गरज कर बुला रही हैं

नन्हें बच्चों को ये लहरें।

(9) लहरें गरज-गरजकर किसे बुला रहीं है ? 1

(10) लहरें किसे छूकर आती हैं ? 1

(11) लहरों का स्वभाव कैसा है ? 1

(12) प्यारे बच्चे लहरों के साथ कैसे खेलते हैं ? 1

(13) सागर लहरों से क्या कहता है ? 1

खण्ड-ख (कुल अंक 40)

निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

अमल अचल मन त्रोन समाना। सम जम नियम सिलीमुख नाना॥

कवच अभेद बिप्र गुरु पूजा। एहि सम बिजय उपाय न दूजा॥

सखा धर्ममय अस रथ जाकें। जीतन कहँ न कतहुँ रिपु ताकें॥

(14) प्रभु राम जी को बिना रथ देख कौन व्याकुल होता है ? 1

(15) उक्त पद्यांश में मन किसके समान है ? 1

(16) उपर्युक्त काव्यांश में प्रभु राम जी का कवच अभेद क्यों है ? 1

(17) प्रभु राम अपने विजय रथ का वर्णन कैसे करते हैं ? 2

अथवा

पोंछें की तरह रगड़ देना चाहिए उदासी को
चमकने देना चाहिए मन को उजले फर्श की तरह।
बदल देना चाहिए उदासी को साबुन में।

(14) उपर्युक्त पद्यांश की कवयित्री कौन है ? 1

(15) उक्त पद्यांश में कवयित्री उदास क्यों है ? 1

(16) कवयित्री के अनुसार मन को कैसे चमकना चाहिए ? 1

(17) काव्य पंक्तियों के माध्यम से उदासी को हम कैसे दूर कर सकते हैं ? 2

(18) **निम्नलिखित काव्यांश का भाव-सौन्दर्य स्पष्ट करते हुए शिल्प संबंधी कोई दो विशेषताएँ लिखिए (लगभग 50 शब्दों में) :** 4

पाया मैंने बचपन फिर से
बचपन बेटी बन आया
उसकी मंजुल-मुर्ति देखकर
मुझमें नवजीवन आया॥

अथवा

"संग्राम-विजय तू इसी तरह सन्ध्या तक करेगा क्या ?
मारेगा अरियों को कि उन्हें दे जीवन स्वयं मरेगा क्या ?
रण का विचित्र यह खेल, मुझे तो समझ नहीं कुछ पड़ता है,
कायर! अवश्य कर याद पार्थ की, तू मन ही मन डरता है।"

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए (लगभग 40 शब्दों में) : 6

(19) निम्नलिखित काव्य पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए :

बड़ा भया तो का भया, जैसे पेड़ खजूर।
पंथी को छाया नहीं, फल लागे अति दूर॥

अथवा

कहलाने एकत बसत अहि मयूर, मृग बाघ।
जगतु तपोवन सौं कियौ दीरघ-दाघ निदाघ॥

(20) पत्थर तोड़ने वाली श्रमिक युवा नारी के हाव-भावों को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

विशालकाय पोस्टरों के आगे कवि अपने आप को बेपहचाना क्यों महसूस करता है ?

निम्नलिखित पठित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए (लगभग 10-20 शब्दों में) :

अगले दिन वे ज़ब घूमकर लौटे तो उन्होंने पाया कि बैठक में उनकी चारपाई नहीं है। अंदर आकर पूछने वाले ही थे कि उनकी दृष्टि रसोई के अंदर पत्नी पर पड़ी। उन्होंने यह कहने को मुँह खोला कि बहू कहाँ है, पर कुछ याद कर चुप हो गए। पत्नी की कोठरी में झाँका, तो अचार, रजाइयों और कनस्टरों के मध्य अपनी चारपाई लगी पाई। गजाधरबाबू ने कोट उतारा और कहीं टाँगने को दिवार पर नजर दौड़ाई। फिर से मोड़कर अलगनी के कुछ कपड़े खिसकाकर, एक किनारे टाँग दिया। कुछ खाए बिना ही अपनी चारपाई पर लेट गए। उन्हें लगा कि वे जिन्दगी द्वारा ठगे गए हैं।

(21) गजाधर बाबू पैंतीस वर्षों तक कहाँ काम करते थे ? 1

(22) गजाधर बाबू स्वभाव से कैसे थे ? 1

(23) गजाधर बाबू किस उम्मीद के सहारे घर वापस आये थे ? 1

(24) गजाधर बाबू को ऐसा क्यों लगा कि वे जिंदगी द्वारा ठगे गए हैं ? 2

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए (लगभग 40 शब्दों में) : 10

(25) राजा के अनुसार तावीज ने कर्मचारी को कैसे ईमानदार बना दिया ?

अथवा

कौशल्या अपनी नातिन रोमा की चिट्ठी का इंतजार क्यों करती है ?

(26) 'बहू की विदा' एकांकी में लेखक भारतीय समाज को क्या संदेश देते हैं ?

अथवा

लोहिया के स्वभाव की विशेषताएँ लिखिए।

निम्नलिखित पठित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

भारतवर्ष 2020 तक अपने आपको एक विकसित राष्ट्र बनाने के मिशन में जुटा हुआ है। जिस संसाधन के बल पर यह मकसद हासिल होगा, वे हैं 25 वर्ष से कम के देश के 54 करोड़ नौजवान। बच्चे और युवक किसी देश के भविष्य की तस्वीर होते हैं। वे हमारे भविष्य के लिए आशा हैं। हमारे समाज का एक महत्वपूर्ण, सशक्त और संसाधनों से भरा हुआ वर्ग युवकों का है जिनमें आसमान की बुलंदियों को छू लेने की आकांक्षा धधक रही है। यदि उनकी ऊर्जा को सही दिशा दी जाए तो उससे ऐसी गतिशीलता पैदा होगी जो राष्ट्र को विकास के तेज वाहन में दौड़ा देगी युवकों को अपनी योजना और विकास प्रक्रिया का केंद्रबिंदु मानते हुए हमें इस विशाल और बहुमूल्य मानव संसाधन की देखरेख करने की आवश्यकता है। विकास गतिविधियों में युवकों की आवश्यकता, अधिकारों और आकांक्षाओं को अहमियत देना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। बच्चे हमारी सबसे बड़ी दौलत हैं। देश में जन्म लेने वाले सभी बच्चों को निखरने का मौका दिया जाए। अनाथ बच्चों सहित सभी बच्चों पर अतिरिक्त ध्यान देकर उन्हें सुविधा देना बहुत ही जरूरी है। इस महान सेवा में हर इनसान और सरकारी संस्थानों को हाथ बँटाना चाहिए जिससे तेजस्वी नागरिकों का निर्माण हो जो देश के विकास के लिए अनमोल संपदा बन जाएँ। मैंने भारतीय और विदेशी बच्चों से बातचीत के दौरान देखा कि उनमें एक जैसी आकांक्षा है और यह हैं शांतीपूर्ण, खुशहाल और सुरक्षित देश में जिंदगी जीना। वे सभी चुनौती भरे मिशन, लाजवाब रोल मॉडल और प्रेरक मन वाले नेताओं की ओर टकटकी लगाए हुए हैं। ज्ञान, उत्साह और कठिन परिश्रम के मेल से युवकों के अंदर मुल्क की सूरत को बदल देने वाली ज्वाला धधक रही है।

(27) प्रस्तुत गद्यांश किस पाठ से लिया गया है ? 1

(28) भारत किस मिशन में जुटा है ? 1

(29) हमारे समाज में युवा वर्ग की आकांक्षा कैसी है ? 1

(30) युवा वर्ग को सही दिशा देने से क्या होगा ? 1

(31) युवकों की देखरेख करने की प्राथमिकता कैसी होनी चाहिए ? 2

(32) देश के विकास के लिए अनमोल संपदा कैसे बनायी जा सकती है ? 2

(33) लेखक ने भारतीय और विदेशी बच्चों में क्या अंतर देखा ? 2

खण्ड-ग (कुल अंक 25)

निम्नलिखित 'माध्यम और लेखन' पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 5

(34) समूह संचार किसे कहते हैं ?

(35) आजादी के बाद के किन्हीं **दो** पत्रकारिता के नाम लिखिए।

(36) इंटरनेट का कोई **एक** दुरुपयोग बताइए।

अथवा

प्रिंट मीडिया के प्रमुख माध्यम कौनसे हैं ?

(37) भारत की पहली बोलती फिल्म कौनसी है ?

अथवा

संपादक किसे कहते हैं ?

(38) किन्हीं **दो** आधुनिक टी.वी. चैनलों के नाम बताइए।

(39) **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर फीचर तैयार कीजिए। (लगभग 100 शब्दों में) :** 5

- युवाओं में नशे की गलत आदत।

अथवा

- असफलता को उत्सव की तरह मनाएँ।

(40) **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए (लगभग 100 शब्दों में)** : 5

- विज्ञान की अद्‌भुत खोज।
- स्वास्थ के लिए हितकारी : व्यायाम।

(41) आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय, अहमदाबाद-गुजरात द्वारा मनाए गए "बाल दिवस समारोह" (Children Day) पर लगभग 100 शब्दों में प्रतिवेदन (रिपोर्ट) तैयार कीजिए। 5

(42) मोहन/मोहिनी देसाई घर क्र. 16, संभाजीनगर, बेलगावी से जल संचालक, जल पूर्ति विभाग, खानापूर-बेलगावी को 'पानी बिल की बढ़ोत्तरी' के संदर्भ में शिकायत करते हुए पत्र लिखता/लिखती है। 5

अथवा

रिमा/रमेश नाईक, मकान न. 35 अंबेगांव, सिंधुदुर्ग-महाराष्ट्र से नीचे दिए गए 'नवभारत टाइम्स' के विज्ञापन (Advertisement) के आधार पर आवेदन पत्र तैयार करता/करती है।

आवश्यकता

हिंदी अध्यापक (Teacher)

शैक्षणिक योग्यता - बी.ए. उत्तीर्ण

बी. एड उत्तीर्ण

संगणक का ज्ञान

हिंदी, मराठी और इंग्लिश भाषा का ज्ञान अनिवार्य

अनुभव : कम से कम एक साल।

संपर्क : मुख्याध्यापक, नवोदया माध्यमिक विद्यालय,

सावंतवाडी, सिंधुदुर्ग-महाराष्ट्र।